धकामुक्री; गुर्जरा. तालावेली (सं. \*प्रेराप्रेरि) पेशकसी मदमो. खंडणी [फा.पीश-कशी] पेशल कादं(ध्रु). सुंदर (सं.); \*वसंफा(ब्रा). कोमळी पेस आरारा. उद्योग, श्रम (फा.) पेसकशी चंद्रवा. खंडणी [फा.पीश-कशी] **पेसरां** *हम्पीप्र*. युवान सैनिको, युवको (फा. पिसर=पुत्र) पेसारो ऐतिका. प्रवेश[नो उत्सव]; जुओ पडसारउ **पेहे** नंदब. पहो, सवार सिं.प्रभाती **पेहेली** *मदमो*. प्रहेलिका, [समस्या] पें जुओ पे **पेंड** *सिंहा(शा)*. पिंड, पंड, शरीर **पेंडार** *मोसाच*. भरवाड [सं.पिंडार] पैआल, पैआळ, पैयाल *अंगवि. उषाह.* कृष्णवा. दशस्कं(१). प्रबोप्र. प्रेमाका. पाताळ **पेब्रह्म** *प्राचीका*. परिब्रह्म (सं.परब्रह्म) **पैयाल** जुओ पैआल **पैयुं** *दशस्कं(१). प्रेमाका*. रमतमां नक्की करेलुं अमुक अंतर [सं.पदिक] **पेशुन** \**ऐतिका*. [चाडी, चुगली] [सं.] **पैसण** जिनरा, प्रवेश करवो ते पैसारे ऐतिका. प्रवेश[ना उत्सवपूर्वक]; जुओ पइसारउ **पो-** वीसरा. परोववुं (सं. प्रवयति) [सं. प्रोत-] पोर्डस उक्तिर. [\*वाटमांथी खसो एम जणावतो उद्गार] [सं.पूतिकेशः]

**पोखइ** *दशस्कं(२). प्रेमाका. \*नेमिछं.* पोषे, [संतोषे, संवर्धे, जतन करे] **पोखी \***नेमिछं. [पोषेली, -थी भरेली] पोगर अखाछ. पुद्गल, [परमाणुपिंड, भौतिक पिंड]; चित्तसं परमाण् पोटलिया उक्तिर. पोटली (दे.पोट्टलिय) **पोठी** नलाख्या. प्रेमाका. पोठियो, बळद (सं. पुष्ठिः परथी) **पोठीउ, पोठियउ** उक्तिर. पोठियो (सं.पृष्ठि परथी) पोढउं अभिक. \*ऋषिरा. चतुचा. चंद्रवा. नलरा. रूपच. लावल. वीसरा. प्रौढ. मोटुं, महान; विशाळ; बळवान **पोढेरो** *चित्तसं.* प्रौढ, मोटो, विस्तृत पोण कामा(त्रि). कामा(शा). दशस्कं(१). नरका. प्रेमाका. पण, प्रतिज्ञा; प्रेमाका. शरत, दाव; जुओ वर्णनपोण **पोत** कादं(शा). बद्यं (सं.) पोत अखाका. मूळ रूप, [पोतापणुं] **पोतइ** *आरारा. \*उपबा.* भंडारमां, सिलकमां **पोतउ** *आरारा*. भंडार [\*सं.पोत] **पोतन** *उषाहं*. पूतना राक्षसी **पोतापणुं** *चित्तसं*. आत्मस्वरूप पोतावट हरिख्या. पोतापण्ं, अत्यंत घरवट **पोति** *आरारा*. पोतुं करे, लींपे पोति कामा(त्रि). देवरा. नरप(द). नलाख्या. पहोंचे, आवी मळे (सं.प्रभूत) **पोती \*** नरका. [पोतियां, वस्त्र] **पोतुं** *लावल*. भंदार **पोते** अखेगी. पोतथी, [आत्मस्वरूपथी];